महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

दूरभाष:0151 -2970177 **ई :मेल-**registrar@mgsubikaner.ac.in

वार्षिक/प्रशासनिक प्रगति प्रतिवेदन

2021-22

1. **<u>संक्षिप्त इतिहास</u>** : बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना बीकानेर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 (अधिनियम संख्या 13) के राजस्थान राजपत्र विशेषांक भाग 4 (क) दिनांक 07 जून, 2003 के द्वारा हुई। बीकानेर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 की धारा 4 (1) में अंकितानुसार इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में बीकानेर संभाग के चार जिले यथा बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चूरू सम्मिलित हैं। राजस्थान राजपत्र क्रमांक F. 4 (14) Vidhi/ 2/ 2008 dated October 03, 2008 (राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 02-10-2008) के द्वारा बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर का नाम परिवर्तित कर **महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर** किया गया। उल्लेखनीय है कि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में सम्मिलित क्षेत्र का भू-भाग भौगोलिक दृष्टि से रेगिस्तानी एवं पाकिस्तान सीमावर्ती होने के साथ-साथ शैक्षणिक एवं सामाजिक दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है।

इस विश्वविद्यालय ने अपना औपचारिक कार्य तत्कालीन विशेषाधिकारी श्री एम.एम. व्यास, आर.ए.एस. के द्वारा 13.06.2003 को कार्यभार ग्रहण करने के साथ प्रारम्भ किया। प्रथम कुलपति के रूप में प्रो. होशियार सिंह ने 21.08.2003 को कार्यभार ग्रहण किया। विश्वविद्यालय में पदस्थापित नियमित कुलपतियों के कार्यकाल का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.स.	नाम	कब से	कब तक
1	प्रो. होशियार सिंह	21.08.2003	11.01.2006
2	डॉ. सी.बी. गेना	08.08.2006	31.05.2009
3	प्रो. गंगाराम जाखड़	12.12.2009	11.12.2012
4	प्रो. चन्द्रकला पाडिया	15.11.2013	14.11.2016
5	प्रो. भगीरथ सिंह	04.02.2017	03.02.2020
6	प्रो. विनोद कुमार सिंह	29-07-2020	लगातार

विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 तक की मुख्य परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित करवाई जा चुकी हैं। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा वर्ष 2018 तक के स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सफलतम अभ्यर्थियों एवं 31 जनवरी, 2018 से 31 दिसम्बर, 2018 तक शोध कार्य पूर्ण करने वाले शोधार्थियों को दीक्षान्त समारोह आयोजित कर उपाधि प्रदान की जा चुकी हैं।

विश्वविद्यालय की स्थापना के समय महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर से सम्बद्धता प्राप्त 67 महाविद्यालय, इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थानान्तरित हुए। कालांतर में निजी महाविद्यालयों की संख्या में तीव्रता से वृद्धि हुई तथा वर्तमान में **439** महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं जिनमें से 32 राजकीय एवं 407 निजी महाविद्यालय हैं। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2011-12 से पांच विभाग यथा इतिहास, अंग्रेजी, पर्यावरण विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं कम्प्यूटर विज्ञान संचालित हैं तथा सत्र 2019-20 से विधि, भूगोल, वाणिज्य एवं प्रबन्धन तथा फाइन आर्ट्स (ड्रॉइंग एण्ड पेन्टिंग) प्रारम्भ किये गए।

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित नवीन शोधपीठ/सेन्टर्स का गठन किया गया है जो क्षेत्र के शैक्षणिक विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं :

शोधपीठ : (गठन- 2021)

1. महात्मा गांधी शोधपीठ
2. स्वामी विवेकानन्द शोधपीठ
3. पं. मदन मोहन मालवीय शोधपीठ
4. महाराजा गंगा सिंह शोधपीठ

सेन्टर्स :

1. पं. मदन मोहन मालवीय सेन्टर फॉर वैल्यू एज्युकेशन
2. सेन्टर फॉर एडवांस स्टडीज़ ऑफ थार डेज़र्ट
3. सेन्टर फॉर वूमन स्टडीज़
4. डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेन्टर फॉर **मार्जिनलाईज्ड सोसायटी**
5. सेन्टर फॉर एन्टरप्रिन्योरशिप एण्ड स्किल डवलपमेंट
6. सेन्टर फॉर गॉधीयन स्टडीज : पीस एण्ड नॉन वॉइलेन्स
7. सेन्टर फॉर म्युज़ियम एण्ड डॉक्यूमेटेंशन

2. <u>जनशक्ति</u> :

वर्तमान में प्रो. विनोद कुमार सिंह, कुलपति एवं श्री यशपाल आहूजा (राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी) कुलसचिव पद पर पदासीन हैं। विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 के प्रावधानानुसार विश्वविद्यालय संगठन का संस्थागत एवं प्रशासनिक ढांचा निम्नानुसार है :-

विश्वविद्यालय संगठन

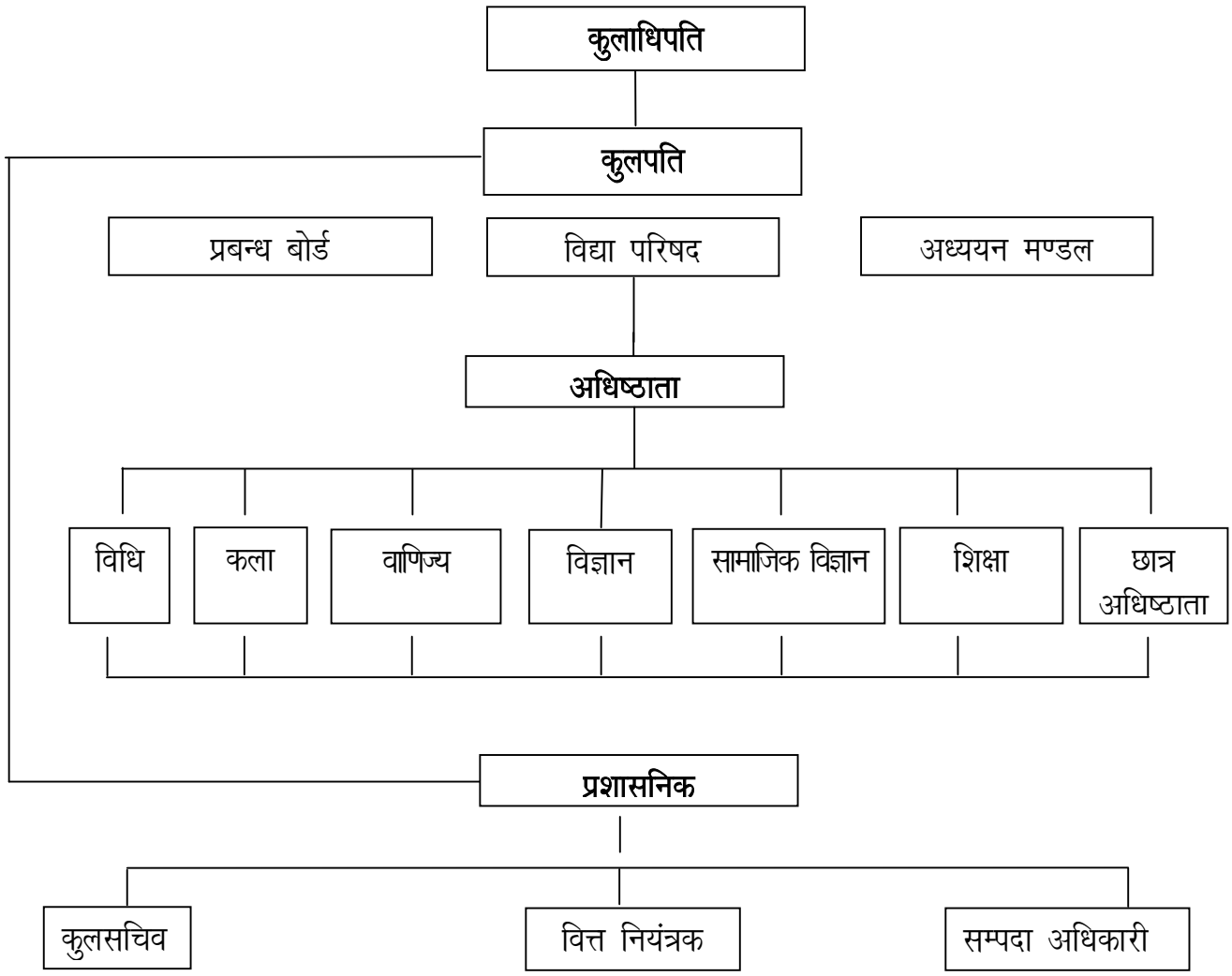

प्रबन्ध बोर्ड की संरचना

क्र. स.	नाम	पदनाम	पद	पता
1	प्रो. विनोद कुमार सिंह	कुलपति	अध्यक्ष	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
2		सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य	शासन सचिवालय, जयपुर
3		सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य	शासन सचिवालय, जयपुर
4		आयुक्त, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान	पदेन सदस्य	शिक्षा संकुल, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
5	डॉ. जी.पी. सिंह	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित संकायाध्यक्ष	सदस्य	संकायाध्यक्ष-विज्ञान प्राचार्य, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
6	प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित विश्वविद्यालय आचार्य	सदस्य	संकायाध्यक्ष- कला महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
7	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित विश्वविद्यालय आचार्य	सदस्य	विभागाध्यक्ष-पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
8	प्रो. राजाराम चोयल	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित संकायाध्यक्ष	सदस्य	आचार्य-पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
9.	डॉ. वरूण यादव	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	ए-256, पैरामाउण्ट गोल्फ, फोरेस्ट विला, सेक्टर जेटा-2, ग्रेटर नोएडा (उ.प.)
10.	प्रो. कृपाशंकर तिवाड़ी	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	12, सौम्य इनक्लेव, कोलर रोड़, चूना भट्टी, भोपाल (म.प्र.)
11.	डॉ. भगवानाराम विश्नोई	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य	सदस्य	प्राचार्य, राजकीय विधि महाविद्यालय, बीकानेर
12.	डॉ. अनन्त जोशी	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य	सदस्य	प्राचार्य, बी.जे.एस.आर. विधि महाविद्यालय, बीकानेर

13.	श्रीमती कृष्णा पूनिया	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक सदस्य	सदस्य	माननीय विधायक-सादुलपुर 297,कृष्णा निवास,वार्ड न. 14, राजगढ, जिला-चूरू (राज.)
14.	श्री जगदीश चन्द्र जांगिड	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक सदस्य	सदस्य	माननीय विधायक-सादुलशहर वार्ड न. 3, रेलवे क्रॉसिंग के पास, सादुलशहर जिला-श्रीगंगानगर (राज.)
15.	प्रो. विनोद चन्द्र	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	सह आचार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय 204 लैण्डमार्क अपार्टमेन्ट, न्यू हैदराबाद, लखनऊ (उत्तरप्रदेश)
16.	डॉ. एन.एस. बिस्सा	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	एफ-714, जवाहर कला केन्द्र के पीछे, गांधी नगर, जयपुर (राज.)
17	श्री यशपाल आहुजा	कुलसचिव	सदस्य सचिव	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

<u>विद्या परिषद की संरचना</u>

1	**प्रो. विनोद कुमार सिंह**	**अध्यक्ष**	कुलपति	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
2	प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल	सदस्य	संकायाध्यक्ष-कला	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
3	डॉ. जी.पी. सिंह	सदस्य	संकायाध्यक्ष-विज्ञान	प्राचार्य, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
4	डॉ. बी.एस. रतन	सदस्य	संकायाध्यक्ष-सामाजिक विज्ञान	प्राचार्य, राजकीय बी.आर. ए. महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
5	डॉ. भगवानाराम विश्नोई	सदस्य	संकायाध्यक्ष-विधि	प्राचार्य, राजकीय विधि महाविद्यालय, बीकानेर
6	डॉ. मीनाक्षी मिश्रा	सदस्य	संकायाध्यक्ष-शिक्षा	प्राचार्य, भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

7	डॉ. मीनू पूनिया	सदस्य	संकायाध्यक्ष वाणिज्य	प्राचार्य, डी.ए.वी. पी.जी. महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
8	प्रो. राजाराम चोयल	सदस्य	आचार्य, विज्ञान संकाय	आचार्य, पर्यावरण विज्ञान महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
9		सदस्य	शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग	राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर
10		सदस्य	आयुक्त, कॉलेज शिक्षा	शिक्षा संकुल, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
11	डॉ. शेर मोहम्मद	सदस्य	संयोजक - वनस्पतिशास्त्र	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
12	डॉ. विजय श्री	सदस्य	संयोजक - रसायनशास्त्र	राजकीय महाविद्यालय, छतरगढ जिला-बीकानेर
13	डॉ. ज्योति लखाणी	सदस्य	संयोजक - कम्प्यूटर विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
14	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	सदस्य	संयोजक -पर्यावरण विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
15	डॉ. देवेश खण्डेलवाल	सदस्य	संयोजक- भूगर्भ विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर ।
16	डॉ. रचना माथुर	सदस्य	संयोजक- गणित	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर ।
17	डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी	सदस्य	संयोजक-सूक्ष्मजीव विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
18	डॉ. रविन्द्र मंगल	सदस्य	संयोजक-भौतिक विज्ञान	प्राचार्य, राजकीय एम.एल. बी. महाविद्यालय, बीकानेर
19	श्री संतलाल	सदस्य	संयोजक-प्राणीशास्त्र	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
20	डॉ. सीमा शर्मा	सदस्य	संयोजक- अंग्रेजी	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

21	डॉ. शालिनी मूलचंदानी	सदस्य	संयोजक-हिन्दी	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
22	डॉ. नन्दिता सिंघवी	सदस्य	संयोजक- संस्कृत	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
23	डॉ. सुमित्रा चारण	सदस्य	संयोजक-दर्शनशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
24	डॉ. नरेन्द्र नाथ	सदस्य	संयोजक - राजनीति विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
25	डॉ. राजेश भाकर	सदस्य	संयोजक - भूगोल	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
26	डॉ. ज्योति कपूर	सदस्य	संयोजक अर्थशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
27	डॉ. इन्दिरा गोस्वामी	सदस्य	संयोजक- गृह विज्ञान	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर
28	डॉ. इन्द्रसिंह राजपुरोहित	सदस्य	संयोजक- चित्रकला	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
29	डॉ. श्याम सुन्दर ज्याणी	सदस्य	संयोजक-समाजशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
30	डॉ. साधना भण्डारी	सदस्य	संयोजक-लोक प्रशासन	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
31	डॉ. अम्बिका ढाका	सदस्य	संयोजक-इतिहास	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ।
32	डॉ. डी.एस. पूनिया	सदस्य	संयोजक-एबीएसटी	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
33	डॉ. पंकज जैन	सदस्य	संयोजक-व्यवसायिक प्रशासन	बी.जे.एस.आर. जैन महाविद्यालय, बीकानेर
34	डॉ. आशा शर्मा	सदस्य	संयोजक-ई.ए.एफ.एम.	राजकीय बी.आर.ए. महाविद्यालय,श्रीगंगानगर।

35	डॉ. अनन्त जोशी	सदस्य	संयोजक - विधि	बी.जे.एस.आर. जैन विधि महाविद्यालय, बीकानेर
36	डॉ. सतपाल स्वामी	सदस्य	संयोजक - शिक्षा	गीता सह शिक्षा टी.टी. कॉलेज, घडसाना
37	डॉ. यशवंत गहलोत	सदस्य	संयोजक-शारीरिक शिक्षा	शारीरिक शिक्षा, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
38	डॉ. ई. ए. हैदरी	सदस्य	संयोजक - उर्दू	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
39	डॉ. रिषभ जैन	सदस्य	संयोजक - संगीत	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय, बीकानेर
40	डॉ. नरेश पंवार	सदस्य	संयोजक- जीव तकनीकी	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय, बीकानेर
41	डॉ. अमर सिंह	सदस्य	संयोजक सैन्य विज्ञान	राजकीय एन.डी.बी. महाविद्यालय, नोहर
42	डॉ. प्रकाश अमरावत	सदस्य	संयोजक - राजस्थानी	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
43	श्रीमती धनवन्तरी विश्नोई	सदस्य	संयोजक - जी.पी.ई. एम.	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय, बीकानेर
44	डॉ. कमलेश खत्री	सदस्य	संयोजक - पंजाबी	एस.जी.एन. कन्या महाविद्यालय, केसरीसिंहपुर
45	डॉ. देवीशंकर	सदस्य	संयोजक - जे.वी.जे.वी.	राजकीय एस.बी.डी. महाविद्यालय, सरदारशहर
46	प्रो. ए.वी. सिंह मदनावत	सदस्य	संयोजक - मनोविज्ञान	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
47	श्री उमेश शर्मा	सदस्य	संयोजक - पुस्तकालय	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान

48	डॉ. श्रवण सैनी	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य प्राचार्य-राजकीय महाविद्यालय	राजकीय विधि महाविद्यालय, चूरू
49	डॉ. बी.एल. विश्नोई	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य प्राचार्य-निजी महा.	ज्ञान विधि महाविद्यालय, बीकानेर
50	प्रो. राज सेनानी	सदस्य	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मनोनीत सदस्य	नेताजी सुभाष तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
51	डॉ. धर्मेश हरवानी	सदस्य	कुलपति महोदय द्वारा मनोनीत शिक्षक	सूक्ष्म जीव विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
52	डॉ. एच.आर. नियाज़ी	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	मीर जी का बाग, संसार चन्द्र रोड़, जयपुर
33	डॉ. निधि अग्रवाल	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर (राज.)
54	श्री यशपाल आहूजा	सदस्य सचिव	कुलसचिव	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

अधिकारी

क्र. स.	नाम	पद
1.	प्रो. विनोद कुमार सिंह	कुलपति
2.	श्री यशपाल आहूजा	कुलसचिव
3.	श्री बनवारी लाल सर्वा	वित्त नियंत्रक (अतिरिक्त प्रभार)
4.	श्री कुलदीप जैन	सम्पदा अधिकारी
5.	डॉ. अभिषेक वशिष्ठ	अधिष्ठाता-छात्र कल्याण (अतिरिक्त प्रभार)

स्नातकोत्तर शैक्षणिक विभाग

क्र.स.	विभाग	नाम	पद
1.	**अंग्रेजी**	प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2.		रिक्त	सह आचार्य
3.		रिक्त	सह आचार्य
4.		डॉ. सीमा शर्मा	सहायक आचार्य
5.		डॉ. प्रगति सोबती	सहायक आचार्य
6.		डॉ. संतोष कंवर शेखावत	सहायक आचार्य
7.	**पर्यावरण विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
8.		प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
9.		प्रो. राजाराम चोयल	आचार्य
10.		डॉ. अनिल कुमार दुलार	सहायक आचार्य
11.		डॉ. प्रभुदान चारण	सहायक आचार्य
12.		डॉ. लीला कौर	सहायक आचार्य
13.	**सूक्ष्म जीव विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
14.		रिक्त	सह-आचार्य
15.		रिक्त	सह-आचार्य
16.		डॉ. गौतम मेघवंशी	सहायक आचार्य
17.		डॉ. धर्मेश हरवानी	सहायक आचार्य
18.		डॉ. अभिषेक वशिष्ठ	सहायक आचार्य
19.	**कम्प्यूटर विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
20.		रिक्त	सह-आचार्य
21.		रिक्त	सह-आचार्य
22.		डॉ. ज्योति लखाणी	सहायक आचार्य
23.		श्री फौजा सिंह	सहायक आचार्य
24.		श्री अमरेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य

25.	**इतिहास**	रिक्त	आचार्य
26.		रिक्त	सह-आचार्य
27.		रिक्त	सह-आचार्य
28		डॉ. अम्बिका ढाका	सहायक आचार्य
29.		डॉ. मेघना शर्मा	सहायक आचार्य
30.		रिक्त	सहायक आचार्य
31	**विधि**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
32		रिक्त	सह आचार्य- 02 पद
32		रिक्त	सहायक आचार्य- 08 पद
33	**भूगोल**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
34		रिक्त	सह-आचार्य (02 पद)
35		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
36	**वाणिज्य एवं प्रबन्धन**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
37		रिक्त	सह-आचार्य (02 पद)
38		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
39	**फाइन आर्ट्स**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
40	**(ड्रॉइंग एण्ड पेन्टिंग)**	रिक्त	सह-आचार्य (02 पद)
41		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)

विश्वविद्यालय स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की पदवार स्थिति :

1. प्रशासनिक पद

पद का नाम	नॉन प्लान स्वीकृत पद	विश्वविद्यालय स्वयं की आय से स्वीकृत पद	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
कुलपति	1	0	1	1	0
कुलसचिव	1	0	1	1	0
वित्त नियंत्रक	1	0	1	1	0
कुल	**3**	**0**	**3**	**3**	**0**

2. शैक्षणिक पद

विभाग एवं पद का नाम		नॉन प्लान स्वीकृत पद	विश्वविद्यालय स्वयं की आय से स्वीकृत पद	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
इतिहास	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	2	1
अंग्रेजी	आचार्य	1	0	1	1	0
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
सूक्ष्मजीव विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
पर्यावरण विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	2	0
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
कम्प्यूटर विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
विधि	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	8	8	0	8
भूगोल	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3

वाणिज्य एवं प्रबन्धन	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
ड्राईग एण्ड पेन्टिंग	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
कुल		**10**	**50**	**60**	**17**	**43**

3. अशैक्षणिक पद

पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद	रिक्त पद
निदेशक शोध	1	0	1
परीक्षा नियंत्रक	1	0	1
अतिरिक्त कुलसचिव	1	0	1
उप कुलसचिव	4	1	3
एनालिस्ट कम प्रोग्रामर	1	0	1
सहायक कुलसचिव	6	4	2
अधिष्ठाता छात्र कल्याण	1	0	1
पुस्तकालयाध्यक्ष	1	1	0
सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	1	1	0
सम्पदा अधिकारी	1	1	0
प्रोग्रामर	2	0	2
जन सम्पर्क अधिकारी	1	0	1
निजी सचिव-कुलपति	1	1	0
लेखाधिकारी (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	1	0
अनुभाग अधिकारी	16	09	07
वरिष्ठ निजी सहायक	2	2	0
निजी सहायक	4	1	3
स्टेनो ग्रेड-द्वितीय	5	0	5
विधि रचनाकार	1	0	1
कनिष्ठ विधि अधिकारी (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	1	0
वरिष्ठ तकनीकी सहायक (पुस्तकालय)	1	0	1
कम्प्यूटर ऑपरेटर	2	2	0
सूचना सहायक/डाटा एण्ट्री ऑपरेटर	3	0	3
मैनेजर गेस्ट हाउस	1	1	0
सहायक लेखाधिकारी-1 (राज्य सरकार द्वारा	1	1	0

पदस्थापन)			
सहायक लेखाधिकारी-2 (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	0	1
कनिष्ठ लेखाकार (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	4	4	0
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	1	0	1
कार्यालय सहायक	15	12	03
वरिष्ठ लिपिक	29	13	16
प्रयोगशाला सहायक	4	3	1
तकनीकी सहायक	8	6	2
कनिष्ठ लिपिक	43	25	18
इलैक्ट्रीशियन	1	0	1
प्लम्बर	1	0	1
वाहन चालक	6	4	2
बुक/रिकार्ड लिफ्टर	2	0	2
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	25	0	25
लैब बॉय	4	0	4
योग	**206**	**96**	**110**

3. <u>वित्तीय स्थिति :-</u>

आय एवं व्यय विवरण - 2021-22 (बजट)

आय		**राशि लाखों में**
क्र.स.	अनुदान प्राप्ति के स्रोत	2021-22 अनुमानित
क	राज्य सरकार से	
	1. प्लान	0.01
	2. नॉन प्लान	0.02
	योग क (1+2)	**0.03**
ख	विश्वविद्यालय की स्वयं की आय से	8726.80
	योग (क+ख)	**8726.83**
(परीक्षा, सम्बद्धता, खेलकूद, प्रवेश शुल्क एवं बैंक में जमा राशि के ब्याज से विश्वविद्यालय की आय)		
व्यय		**राशि लाखों में**
क्र.स.	खर्चों का मद	2021-22 अनुमानित
क	राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान से व्यय	
	1. प्लान	14.61
	2. नॉन प्लान	0.02
	योग क (1+2)	**14.63**
ख	विश्वविद्यालय की आय से व्यय	11406.10
	योग (क+ख)	**11420.73**
नोट : वर्ष 2021-22 के आय-व्यय के संशोधित अनुमान की गणना मार्च, 2022 में की जाएगी। इसी प्रकार वर्ष 2021-22 का आय-व्यय अनुमान की रूपरेखा भी आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट के साथ प्रबन्ध मण्डल के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान राशि में से 14.60 लाख का व्यय कुलपति निवास के शेष रहे दायित्व पर किया जाना प्रस्तावित है।		

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय वर्ष 2003-04 से वित्तीय वर्ष 2018-19 तक के लेखों का महालेखा परीक्षक द्वारा अंकेक्षण किया जा चुका है।

4. <u>विश्वविद्यालय के विभागों एवं संघटक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के नामांकन</u> :

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर का कोई भी संघटक महाविद्यालय नहीं है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा 09 विभाग एवं स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे है। वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्र/छात्राओं की संख्या निम्नानुसार है :-

<u>विभागों में विद्यार्थियों की संख्या</u>

क्र. स.	विभाग	सेमेस्टर -प्रथम	सेमेस्टर-तृतीय	एम. फिल.	कुल
1	**कम्प्यूटर विज्ञान विभाग**				
	एमएससी. कम्प्यूटर विज्ञान	20	**29**		
	एम.एससी. साईबर सिक्योरिटी	17	**14**		
	पी.जी.डी.सी.ए.	20	**-**		
	एम.एससी. कम्प्यूटर विज्ञान लेट्रल एन्ट्री	17	**-**		
2	**सूक्ष्म जीव विज्ञान**				
	एम.एससी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	30	**28**		
3	**पर्यावरण विज्ञान विभाग**				
	एमएससी. पर्यावरण विज्ञान	20	**13**		
	पी.जी. डिप्लोमा इन जियोइन्फॉर्मेटिक्स एण्ड रिमोट सेन्सिंग	9	**-**		
4	**इतिहास विभाग**				
	एम.ए. इतिहास	40	**23**	**11**	
	एम.ए. आर्कियोलोजी	-	**9**		
	एम.ए. वंशावली	7	**-**		
	बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) प्रथम वर्ष	-			
	बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) द्वितीय वर्ष	68			
	बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) तृतीय वर्ष	99			

5	**अंग्रेजी विभाग**				
	एम.ए. अंग्रेजी	10	**12**	**3**	
	पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रान्सलेशन	7			
6	**विधि विभाग**				
	पी.जी. डिप्लोमा इन लीगल एण्ड फॉरेन्सिक सांइस	22			
	एल एल.एम. पार्ट प्रथम	66			
	एल एल.एम. पार्ट द्वितीय	68			
	विधि स्नातक प्रथम वर्ष	66			
	विधि स्नातक द्वितीय वर्ष	55			
	पांच वर्षीय इन्टीग्रेटेड एल एल.बी.(सेमेस्टर प्रथम)	44			
	पांच वर्षीय इन्टीग्रेटेड एल एल.बी.(सेमेस्टर द्वितीय)	43 32			
7	**भूगोल विभाग**				
	एम.ए. भूगोल	35	**02**		
	बी.ए. ऑनर्स भूगोल	I- 80 II-35 III-07	**B.Sc.-II-1** **B.Sc. III-2**		
8	**फाइन आर्ट्स विभाग**				
	एम. ए. ड्राइंग एण्ड पेन्टिंग	20	**20**		
9	**वाणिज्य एवं प्रबन्धन**				
	एम.कॉम.	24	-		

<u>स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों की संख्या</u>

क्र. स.	पाठ्यक्रम	पूर्वार्द्ध	उत्तरार्द्ध
1	राजस्थानी	.	09
2	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	16	

उद्यमिता एवं कौशल विकास केन्द्र के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या

क्र.स.	पाठ्यक्रम	संख्या
1	डिप्लोमा कोर्स ऑफ योगा एवं नैचुरौपेथी	40
2	बी.एससी. इन योगिक साइंस (प्रथम वर्ष)	11
3	बी.एससी. इन योगिक साइंस (द्वितीय वर्ष)	..
4	बी.एससी. इन योगिक साइंस (तृतीय वर्ष)	10
5	एम.एससी. इन योगिक साइंस (पूर्वार्द्ध)	17
6	एम.एससी. इन योगिक साइंस (उत्तरार्द्ध)	14

5. <u>वित्तीय प्रबन्ध</u> :

विश्वविद्यालय को मुख्यतः परीक्षा शुल्क, सम्बद्धता शुल्क एवं विश्वविद्यालय की जमा राशि पर ब्याज से आय प्राप्त होती है। वर्ष 2021-22 में निम्नलिखित मदों में आय का प्रावधान रखा गया है :-

क्र. स.	मद	प्रावधान राशि अनुमानित (लाखों में)
1	परीक्षा शुल्क एवं नामांकन	5200.00
2	सम्बद्धता एवं निरीक्षण शुल्क	900.00
3	पुनर्मूल्यांकन शुल्क	400.00
4	विभिन्न प्रपत्र	6.00
5	माईग्रेशन शुल्क	14.00
6	पीएच.डी. पंजीयन शुल्क	5.00
7	प्रोविजनल सर्टिफिकेट	1.50
8	एफ.डी. पर ब्याज	2000.00
9	किराया गेस्ट हाउस, बैंक भवन एवं कैन्टीन	7.00
10	विश्वविद्यालय वाहनों से प्राप्ति	3.00
11	विविध प्राप्तियां	70.00
12	उपयोग में ली गई उत्तरपुस्तिका एवं रद्दी	30.00
13	खेलकूद शुल्क	30.00
14	प्रवेश शुल्क	30.00
15	रॉयल्टी से प्राप्त	0.30
16	एस.एफ.एस. कोर्स से प्राप्त आय	30.00
	कुल आय	**8726.80**

विश्वविद्यालय कोष में उपलब्ध राशि को राष्ट्रीयकृत बैंक (पंजाब नेशनल बैंक) में सावधि जमा करा रखी है। उक्त सावधि जमा राशि प्राप्त ब्याज राशि से दैनिक खर्चों एवं संस्थागत विकास के कार्यों में उपयोग में ली जाती है।

6. वर्ष 2021-22 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ :

- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च, 2021 को परीक्षा 2018 में कुलपति पदक प्राप्त करने वाली छात्रा सुमन स्वामी को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर का एक दिन के लिए मानद् कुलपति बनाया गया। इस अनूठे नवाचार ने विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में ही नही अपितु पूरे भारत वर्ष में विद्यार्थियों में जागृति पैदा करने का कार्य किया।
- ❖ बीकानेर क्षेत्र में साइकिलिंग ट्रैक की बहु-प्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर परिसर में साइकिलिंग वेलोड्रम का निर्माण करवाया जा रहा है। उक्त वेलोड्रम 333.33 मीटर लम्बा एवं 6.5 मीटर चौड़ा होगा जिसका शिलान्याय 23 जून, 2021 को श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान द्वारा किया गया। शिलान्यास समारोह में माननीय मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला, डॉ. रघु शर्मा, श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, श्री भंवर सिंह भाटी, डॉ. सुभाष गर्ग, माननीय विधायक श्रीमती कृष्णा पूनिया, श्री जगदीश चन्द्र आदि उपस्थित रहे। यह साइकिलिंग वेलोड्रम उच्च कोटि की आर.सी.सी. से बनाया जाएगा जिसके साथ में पांच मीटर चौड़ी बाह्य सड़क भी होगी। वेलोड्रम में 37 मीटर ऊँचाई पर हाई मास्क लाइट एवं फ्लड लाइट का भी अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रावधान किया गया है। विश्वविद्यालय में बनने वाला साइकिलिंग वेलोड्रम ओलम्पिक खेलों के स्तर का होगा। वेलोड्रम निर्माण पर लगभग 930. 60 लाख रूपये लागत आने की संभावना है।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा 2021 के 4,21,694 विद्यार्थियों की 12 अगस्त, 2021 से सफलतापूर्वक परीक्षाएं आयोजित करवाकर 31 दिसम्बर, 2021 से पूर्व समस्त कक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी कर दिये गए।
- ❖ 15 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 1195 विभिन्न किस्मों के नवीन पौधे लगाये गए। साथ ही विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।
- ❖ 22 नवम्बर, 2021 को आयोजित विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 20वीं बैठक में सत्र 2021-22 के पाठ्यक्रमों का अनुमोदन किया गया। साथ ही परिसर में सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सी.बी.सी.एस. के अन्तर्गत एल.ओ.सी.एफ. लागू करने का निर्णय लिया गया।
- ❖ विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में स्मार्ट क्लास, विडियो कॉन्फ्रेन्सिंग सुविधा, आधुनिक तकनीक युक्त कम्प्यूटर, आधुनिक प्रयोगशालाएँ आदि सुविधाएं विकसित की गई हैं जिससे यहाँ के विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रख्यात शिक्षाविदों के व्याख्यान

भी ऑनलाइन सुन सकें तथा शिक्षकगण भी ऑनलाईन माध्यम से सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा दूर-दराज बैठे विद्यार्थियों तक अपने विचार/व्याख्यान पहुंचा सकें।

- ❖ विश्वविद्यालय गठन पश्चात से ही खेलकूद में अग्रणी रहा हैं। सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय की साइक्लिंग महिला टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता (जो कि पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा आयोजित हुई) में उपविजेता रहकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनायी। महिला टीम में मोनिका जाट, कविता जाट, रविना विश्नोई, पूजा एवं बिरजा शामिल थी। इसी तरह साइक्लिंग पुरूष टीम के सदस्य मनोज जाट ने कांस्य पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। इसी तरह बॉक्सिंग में प्रितेश विश्नोई व नेहा, एथलैटिक्स में जयचंद एवं अतुल पुनिया एवं तैराकी में नेरैती व्यास ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022, (जो कि बैंगलोर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होंगे) के लिए क्वालिफाई कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।
- ❖ विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ ने शैक्षिक गुणवत्ता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए शिक्षा, शोध एवं प्रसार के कार्यों को महत्त्व देते हुए विभिन्न नीतियों का निर्माण किया है। अब विश्वविद्यालय के पास अपनी प्रवेश नीति, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी नीति, एकेडेमिक क्रेडिट बैंक, विश्वविद्यालय प्रकाशन नीति, शोध उन्नयन नीति एवं खेलकूद उन्नयन नीति है। संकाय सदस्यों में शोध को बढ़ावा देने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा लघु शोध परियोजना के तहत सभी प्रार्थी संकाय सदस्यों को गुणावगुण के आधार पर शोध प्रोजेक्ट आवंटन की योजना बनी है।
- ❖ विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु कदम उठाए है। इसके तहत विश्वविद्यालय परिसर में संचालित होने वाले सभी पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अनुशंसित एल.ओ.सी.एफ. (लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क) के आधार पर निर्मित किया गया है। शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी में कौशल का विकास हो, इस हेतु सभी पाठ्यक्रमों में संबद्ध व्यवसाय कौशल को स्थान दिया गया है ताकि विद्यार्थी पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के बाद अपना स्वयं का व्यवसाय (वोकेशन/प्रोफेशन) विकसित कर सके।
- ❖ 12-14 मार्च, 2021 की अवधि में स्थानीय संस्कृति व लोक कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों एवं जनमानस को स्थानीय संस्कृति से रूबरू कराने के लिए महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं कला, संस्कृति एवं साहित्य विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर स्थित रम्मत पार्क में ''रम्मत महोत्सव'' का आयोजन किया गया। रम्मत महोत्सव के प्रथम दिन माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति महोदय ने अध्यक्षीय उद्बोधन में रम्मत के महत्व पर प्रकाश डाला। रम्मत महोत्सव में श्रीमान् अर्जुनराम मेघवाल, केन्द्रीय भारी उद्योग एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री, भारत

सरकार, डॉ. बी.डी. कल्ला, माननीय कला,संस्कृति एवं साहित्य मंत्री, राजस्थान सरकार एवं श्री भंवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार सम्मिलित हुए।

- ❖ चित्रकला विभाग द्वारा 16 मार्च 2021 को महिला सशक्तिकरण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर लक्ष्मी चौधरी, द्वितीय राम कुमार भादाणी व तृतीय स्थान पर पूनम पूनिया रहें।
- ❖ चित्रकला विभाग द्वारा 20 मार्च 2021 को "बीकानेर सुनहरी कलम" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एव प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें व्याख्यान स्वतंत्र चित्रकार कमल किशोर जोशी द्वारा दिया गया।
- ❖ 02 मई 2021 को स्कूल ऑफ लॉ ने ऑनलाइन''पेरेंट-टीचर मीटिंग'' का आयोजन किया जिसमें लॉकडाउन के दौरान विद्यार्थियों को आ रही समस्याओं का समाधान किया गया। विद्यार्थियों के माता-पिता के साथ संवाद स्थापित कर आगामी परीक्षाओं के लिये छात्रों का मनोबल बढ़ाने पर चर्चा की गई।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा 19 मई, 2021 को माननीय कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में विभागाध्यक्षों एवं पाठ्यक्रम प्रभारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कुलपति ने समस्त शिक्षकों से कहा कि वे विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कुशलक्षेम लेते हुए लगातार ऑनलाइन अध्यापन कार्य जारी रखे।
- ❖ कोरोना काल में विश्वविद्यालय द्वारा अनूठी पहल करते हुए सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो के साथ ज़िलेवार ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। 24-27 मई, 2021 की अवधि में चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ एवं बीकानेर ज़िलों के सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो के साथ ऑनलाइन संवाद स्थापित कर सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम, परीक्षा आयोजन, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में निरन्तर संवाद तथा कोरोना काल में निजी महाविद्यालयों में पदस्थापित शिक्षकों एवं कार्मिकों के वेतन भुगतान आदि की समीक्षा की।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा अपना 18 वां स्थापना दिवस ''संकल्प दिवस'' के रूप में दिनांक 07 जून, 2021 को मनाया गया। पांच संकल्पों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में शिक्षकों की नियुक्ति, उच्च प्रौद्योगिकी विकास, नियम, परिनियम एवं ऑर्डिनेंस का निर्माण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों में सी.बी.सी.एस. का समावेश तथा ऑनलाइन परीक्षा एवं मूल्याकंन पद्धति में सुधार द्वारा विश्वविद्यालय की विकास यात्रा को अनवरत जारी रखने का संकल्प लिया।
- ❖ सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग तथा माईक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में ''माईक्रोबायोलोजी में वर्तमान चुनौतियां एवं भविष्य की संभावनाएं'' विषय पर 15 जून 2021 को एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में ऑस्ट्रेलिया,

बंग्लादेश,पाकिस्तान, नेपाल अर्मेनिआ, श्रीलंका सहित 23 राज्यों के 725 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा 21 जून, 2021 को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ''कोविड-19 महामारी : प्राकृतिक स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में योग का समग्र दृष्टिकोण'' विषय पर पाँच दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा 29 जुलाई, 2021 को ''समुदाय आधारित पुनर्वास'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह ने दिव्यांगजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रशिक्षण एवं रोज़गार से जोड़कर उनका पुनर्वास किये जाने की बात कही।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों, सुरक्षा प्रहरियों व अन्य के लिए कोविड- 19 टीकाकरण शिविर का आयोजन 4 अगस्त 2021 को किया गया। इस शिविर में करीब 300 लोगों का टीकाकरण हुआ ।
- ❖ 4-8 अगस्त, 2021 कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा शिक्षकों के साईबर कौशल उन्नयन हेतु फैकल्टी डैवलेपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें SkyVirt-Cyber-range के चीफ आर्किटेक्ट मयूर अग्निहोत्री व सूचना सूरक्षा विशेषज्ञ तरूण कुशवाहा ने शिक्षकों को ट्रेनिंग प्रदान की।
- ❖ सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा 01-07 सितम्बर, 2021 की अवधि में ''राष्ट्रीय पोषण सप्ताह'' के उपलक्ष्य में ''रोल ऑफ माइक्रोब्स इन न्यूट्रिशन एण्ड हैल्थ'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- ❖ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिवस पर 05 सितम्बर, 2021 को शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में विश्वविद्यालय की नींव को मजबूती प्रदान करने वाले पूर्व कुलपतिगण प्रो. होशियार सिंह, प्रो. गंगाराम जाखड़, प्रो. चन्द्रकला पाडिया एवं प्रो. भगीरथ सिंह को सम्मानित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध यात्रा में सहयोगी रहे प्रो. शिवकुमार भनोत, प्रो. महेश मूर्ति सक्सेना, प्रो. नारायण सिंह राव, डॉ. कान्ति कुमार कोचर एवं डॉ. अनिल कौशिक का भी सम्मान किया गया।
- ❖ 5 सितम्बर 2021 को पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा जोड़बीड़ संरक्षण रिज़र्व, बीकानेर में रिसर्च स्कॉलर्स के साथ शॉर्ट ट्रिप कर अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस मनाया गया।
- ❖ 17 सितम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में गुरूकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रोफेसर आर.सी. दुबे एवं महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर की आचार्य डॉ. मोनिका भटनागर ने व्याख्यान दिया।

- 25 नवंबर 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर बढ़ती हुई महिला हिंसा के खिलाफ सामाजिक जागरूकता विषय पर स्कूल ऑफ लॉ द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया।
- 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान पार्क में कुलपति महोदय द्वारा सभी संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों के साथ संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्त्तव्यों का वाचन किया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ लॉ द्वारा विद्यार्थियों के लिये ''संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्य'' विषय पर लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 56 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। साथ ही ''भारतीय संविधान परिदृश्य और चुनौतियां'' विषय पर डॉ. बबीता जैन द्वारा व्याख्यान दिया गया।
- अंग्रेजी विभाग द्वारा 26-27 नवम्बर को '' भारतीय स्वाधिनता संग्राम में अनुवाद की भूमिका'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन अंग्रेजी व फॉरेन लैंग्वेज विभाग, सेन्ट्रल विश्वविद्यालय, हरियाणा महेन्द्रगढ़ के साथ मिलकर किया गया। इस वेबिनार में देश-विदेश के प्रख्यात शिक्षाविदों प्रो. रजनी शुक्ला, प्रो. नीरजा गुप्ता, प्रो. पी. के. दशोरा, प्रो. एस. के. शर्मा, प्रो. धनंजय सिंह, प्रो. रवि भूषण, प्रो. सुनीता अग्रवाल, प्रो. दीपा माथुर, प्रो. निवेदिता मैत्रेय, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अतनु महापात्रा, प्रो. बी. एल. भादानी सहित लगभग 220 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 4 दिसंबर 2021 को स्कूल ऑफ लॉ द्वारा ''पेटेंट की उपयोगिता'' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।
- 10 दिसंबर 2021 को मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ''मानवाधिकार संरक्षण'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसे मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ प्रभा भार्गव ने संबोधित किया।
- 15 दिसंबर 2021 को स्कूल ऑफ लॉ, आतंरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ और आकाशवाणी बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के तहत ''भारतीय ज्ञान परंपरा से विश्व को समृद्ध किया जा सकता है'' विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 18 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।
- स्कूल ऑफ लॉ द्वारा 5 से 12 जनवरी 2022 तक 'युवा कर्तव्य बोध' सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अर्न्तगत व्याख्यान, विचार गोष्ठी, श्रमदान, पौधारोपण, खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं 'रन फॉर नेशन' रैली इत्यादी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग ने 18 जनवरी 2022 को आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद-2022 की मेज़बानी की। मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में 28 जनवरी 2022 को हुई लेवल-2 प्रतियोगिता के लिए परिसर के छह छात्रों को चयन किया गया था। राष्ट्रीय पर्यावरण

युवा संसद-2022 का फाइनल 27 फरवरी 2022 को भारत की राष्ट्रीय संसद, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

- ❖ पर्यावरण विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने 31 जनवरी, 2022 को अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र में अभ्यास के लिए एक दिवसीय दौरा किया ।
- ❖ पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा 2 फरवरी, 2022 को गजनेर जल निकाय, बीकानेर में छात्रों के साथ विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया गया।
- ❖ 4 फरवरी 2022 को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ लॉ, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर और रोटरेक्ट क्लब के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन स्थानीय पीबीएम हॉस्पिटल, बीकानेर स्थित ब्लड बैंक में किया गया। रक्तदान से पूर्व 'रक्तदान की महत्ता' विषय पर व्याख्यान देते हुए कैंसर विशेषज्ञ डॉ. शंकर लाल जाखड़ और डॉक्टर एन. एल. महावर ने विद्यार्थियों को रक्त दान के लिये प्रेरित किया। विद्यार्थियों द्वारा कुल 60 युनिट रक्तदान किया गया।
- ❖ 20 फरवरी, 2022 को माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति महोदय श्री कलराज मिश्र जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय का षष्ठ दीक्षान्त समारोह ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुआ। दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2019 की 1.05 लाख उपाधि, 55 विद्या-वाचस्पति उपाधि, 01 कुलाधिपति पदक, 01 कुलपति पदक एवं 56 स्वर्ण पदक प्रदान किये गए। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति महोदय ने अपने दीक्षान्त उद्‌बोधन में ''लड़कियों को अवसर मिले तो छू सकती है आसमान'' एवं ''महिला शिक्षा को बढ़ावा देने से ही वास्तविक रूप से समाज का होता है सर्वांगीण विकास'' विषय पर अपनी बात रखी।

सेंटर एवं प्रकोष्ठों की गतिविधियां

- ❖ ''कोविड के दौर में सकारात्मक कैसे रहे'' विषय पर वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कैरियर एण्ड प्लेसमेन्ट सेल द्वारा दिनांक 29 अप्रेल, 2021 को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए किया गया।
- ❖ अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने एसोसिएशन ऑफ म्यूच्यूअल फंड इन इण्डिया के साथ संयुक्त रूप से ''कोरोना काल में व्यक्तिगत वित्त प्रबन्धन'' विषय पर दिनांक 04 मई, 2021 को वेबिनार का आयोजन किया इस अवसर पर कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि वित्तीय साक्षरता आज के समय में एक समीचीन विषय है, कोरोना काल में अपने अस्तित्व को बचाने के साथ-साथ वित्तीय सशक्तिकरण भी महत्वपूर्ण प्रश्न है।

- अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा दिनांक 13 मई, 2021 को ''कोविड-19 : आनलाइन पैनल परिचर्चा'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. वंदना गर्ग ने कोविड-19 के लक्षणों, संक्रमण प्रक्रिया व उच्च रक्तचाप व मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों के लिए उपचार की विधियों के बारे में बताया।
- विश्वविद्यालय के सेन्टर फॉर वूमन स्टडीज एवं कालीकट विश्वविद्यालय, केरल के यूनिटी वूमन कॉलेज के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 23 जून, 2021 को ''भारत में महिलाओं का सामाजिक पार्श्वीकरण विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट सेल द्वारा 23 जुलाई, 2021 को ''कैरियर इन डिफेंस सर्विसेज ''विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। उक्त वेबिनार में सीमा सुरक्षा बल के उप महानिरीक्षक श्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने सीमा सुरक्षा बल में युवाओं के कैरियर के लिए बेहतरीन अवसर उपलब्ध होने की बात कही।
- विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर गांधीयन स्टडीज के तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 152 वीं जयन्ती पर दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को ''राष्ट्र निर्माण एवं वर्तमान में गाँधी जी के विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर वर्चुअल व्याख्यान का आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह जी ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप विश्वविद्यालय गांधी शोधपीठ के अध्यक्ष एवं गांधीवादी विचारक प्रो. सतीश कुमार जी एवं वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय प्रबन्ध बोर्ड सदस्य डॉ. विनोद चन्द्रा जी ने उद्‌बोधन दिया।
- "वर्तमान परिपेक्ष्य में गांधीजी के विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर प्रोफेसर पी.सी. त्रिवेदी, माननीय कुलपति, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का व्याख्यान "सेन्टर फॉर गांधीयन स्टडीज : पीस एण्ड नॉन वायलेंस" द्वारा आयोजित किया गया।

7. भावी योजना वित्तीय वर्ष (2022-23) :

- ❖ विश्वविद्यालय की आगामी शैक्षणिक यात्रा को योजनाबद्ध करने के उद्देश्य से **विजन-2030** तैयार करवाया जा रहा है।
- ❖ विश्वविद्यालय में नवीन रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का प्रारम्भ करना ताकि स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सके।
- ❖ समस्त संकायों का समावेश करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में नवीन विभागों का संचालन ।
- ❖ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक ऑडिट कराने का प्रावधान।
- ❖ NEP-2020 को विश्वविद्यालय में प्रभावी रूप से लागू करने हेतु कार्ययोजना तैयार करना।
- ❖ सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली लागू कर सी.बी.सी.एस. के अनुसार पाठ्यक्रमों को तैयार करवाना।
- ❖ विश्वविद्यालय में विकास परिषद (सी.डी.सी.) एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र(एच. आर.डी.सी.-शिक्षकों/कार्मिकों के उन्नयन एवं गुणवत्ता बनाये रखने के लिए) की स्थापना।
- ❖ विश्वविद्यालय में नव-स्थापित सेन्टर्स को सम्बन्धित क्षेत्र में स्थापित उपक्रमों से सम्पर्क स्थापित कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित करना।
- ❖ अन्तर्विषयक शोध के माध्यम से विश्वविद्यालय औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना।
- ❖ विश्वविद्यालय में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने व छात्रों की सुविधा हेतु प्रशासनिक व परीक्षा संबंधी कार्यों का डिजिटलाइजेशन का कार्य सम्पूर्ण कराना।
- ❖ विश्वविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति प्रदान करने की योजना।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा Placement Policy निर्धारित कर विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाओं यथा Startup India, Stand up India, Make in India इत्यादि के अनुरूप स्व-रोज़गार के लिए सहायता उपलब्ध कराने की योजना।
- ❖ राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर शैक्षणिक एवं शोध कार्यो की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना।
- ❖ परिसर में खेलकूद के उच्चतम मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं को विकसित करना।

- ❖ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के पुस्तकालयों को ऑनलाइन माध्यम से जोड़कर विद्यार्थियों की सुविधाओं में विस्तार करना।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर को ''ग्रीन एवं प्रदूषण मुक्त'' बनाने का कार्य।
- ❖ ग्रीन सोलर कॉरिडोर की क्षमता अभिवृद्धि करते हुए विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना।

8. <u>संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण</u> : विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण निम्न प्रकार है :

संकाय	पाठ्यक्रम/विषय
विज्ञान	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित, भू-गर्भ विज्ञान, जैव-तकनीकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना तकनीकी, सैन्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं खाद्य एवं पोषण विज्ञान।
वाणिज्य	लेखा एवं व्यवसायिक सांख्यिकी, आर्थिक एवं वित्तीय प्रबन्धन एवं व्यवसायिक प्रशासन।
कला	हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजस्थानी, उर्दू, पंजाबी, संगीत, दर्शनशास्त्र, चित्रकला।
सामाजिक विज्ञान	लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, परिधान उत्पादन एवं निर्यात प्रबन्धन, जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान।
विधि	एलएल.बी., एलएल.एम. , पांच वर्षीय बी. ए. एल एल.बी. इन्टीग्रेटेड एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
शिक्षा	बी.एड., बी.पी.एड., एम.एड., बी.एससी. बी.एड./बी.ए. बी.एड. (चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम, विशेष बी.एड., चार वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम।

(यशपाल आहूजा)
कुलसचिव